

23/9/25

जा. पेश सूरी काडी एवं कही काडी अनुपायिते । काडी एवं कही  
 काडी का न्यायालय हाफिरे दर्त हेतु बाट-२ आवाप लाकारे  
 गरि तदपयंत उपयिते गरी । सूरी काडी एवं कही काडी का पुनः  
 प्रदपदन पश्चात न्यायालय हाफिरे दर्त हेतु आवाप लाकारे गरि  
 तदपयंत गरि भी उपयिते गरी खा अतः कवा काडी अल्प  
 पैली कल्प हाफिरी मं सूरी वतत तत वारिय सिध पाता हे  
 जा. केवल गुणत ही, नेवर मं क्य कतत

दाखिल कयंत हे  


